MJC-4

DATE 12022026

Globalization: Impact on India's Economic, Social-Cultural System

* वैश्वीकरण और उदारीकरण ने विश्व के आर्थिक विकास की प्रक्रिया को कायापलट कर दी।

* भारत में वैश्वीकरण का प्रभाव प्रारम्भ सन् 1991 में हुआ था। यह एक नए आर्थिक युग का सुत्रपात था। इस नई अर्थव्यवस्था में संघीय बाजार अर्थव्यवस्था (Federal Market Economy) का उदय हुआ। इसमें राज्यों को भी यह अधिकार मिल गया कि केन्द्रीय योजना अर्थव्यवस्था के अन्तर्गत वे अपनी वित्तीय स्थिति में परिवर्तन कर सके।

* भारत में वैश्वीकरण के परिणामस्वरूप उत्पन्न नई भारतीय आर्थिक, सामाजिक-सांस्कृतिक व्यवस्था का प्रभाव निम्न बिन्दुओं में प्रस्तुत है:-

(1) राष्ट्रीय आय में वृद्धि - वैश्वीकरण और उदारीकरण ने भारत की राष्ट्रीय आय और प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि की है। 1993-94 में देश की राष्ट्रीय आय 6,85,912 करोड़ रुपये थी जो 2004-2005 में 25,31,223 एवं 2022-23 में 272.41 लाख करोड़ तथा 2023-24 में 296.58 लाख करोड़ हो गयी। यदि 1993-94 में देश का प्रति व्यक्ति आय का सूचकांक आधार वर्ष में 100 का था तो यह 2004-2005 में 23,222 रुपया हो गया। वही 2020-21 में 96,812 रुपया तथा 2024-25 में यह 16,940 रुपया हो गया।

classmate

PAGE